महानिदेशक, स्कूल शिक्षा
एवं
राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय

समग्र शिक्षा, विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ –226007

समग्र शिक्षा Samagra Shiksha

निपुण भारत

वेब-साइट: www.basiceducation.up.gov.in, ई-मेल: upefaspo@gmail.com दूरभाष: 0522-4024440, 2780384, 2781128

सेवा में,

1– प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,
समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।

2– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।

पत्रांक– गुण0वि0/शिक्षक संकुल/ 6814 /2025–26 दिनांक 15 दिसम्बर, 2025

विषयः माह दिसम्बर, 2025 में आयोजित की जाने वाली शिक्षक संकुल बैठक की तिथि परिवर्तन के संबंध में।

महोदय/महोदया,

उपर्युक्त विषयक राज्य परियोजना कार्यालय के पत्रांक–गुण0वि0/शिक्षक संकुल/6456/2025–26 दिनांक 03 दिसम्बर, 2025 **(प्रति संलग्न)** का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से दिनांक 16 दिसम्बर, 2025 को अपराह्न 2:30 से 4:00 बजे के मध्य संलग्न एजेण्डा बिन्दुओं के अनुसार शिक्षक संकुल बैठक आयोजित किये जाने के संबंध में निर्देश प्रेषित किये गये हैं।

2– शिक्षा निदेशक (बेसिक), उ0प्र0 के पत्र संख्या–शि0नि0(बे0)/नियोजन/49630–802/2025–26 दिनांक 26 नवम्बर, 2025 एवं पत्र संख्या–शि0नि0(बे0)/नियोजन/50454–626/2025–26 दिनांक 28 नवम्बर, 2025 **(प्रति संलग्न)** द्वारा उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित परिषदीय/मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025–26 की अर्द्धवार्षिक परीक्षा के आयोजन (दिनांक 10–12–2025 से 16–12–2025 तक) के संबंध में सुसंगत निर्देश प्रेषित किये गये हैं।

अतः दिनांक 16–12–2025 को अर्द्धवार्षिक परीक्षा के दृष्टिगत निर्देशित किया जाता है कि शिक्षक संकुल बैठक दिनांक 16 दिसम्बर, 2025 के स्थान पर **दिनांक 23 दिसम्बर, 2025 को अपराह्न 2:30 से 4:00 बजे के मध्य** आयोजित की जायेगी। तदनुसार सर्वसंबंधित को अपने स्तर से निर्देशित करना सुनिश्चित करें तथा अपने स्तर से इसका अनुश्रवण भी करने का कष्ट करें।

संलग्नक–उक्तवत्।

भवदीया,

(मोनिका रानी)
महानिदेशक, स्कूल शिक्षा
उत्तर प्रदेश।

पृ0सं0– गुण0वि0/शिक्षक संकुल/ 6814 /2025–26 तद्दिनांक।

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. जिलाधिकारी समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
2. मुख्य विकास अधिकारी, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
3. शिक्षा निदेशक (बेसिक) उ0प्र0, लखनऊ।
4. निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ।

5. सचिव, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद्, प्रयागराज।
6. मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), समस्त मण्डल, उत्तर प्रदेश।
7. खण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त जनपद उत्तर प्रदेश।
8. जिला समन्वयक (प्रशिक्षण), समस्त जनपद उत्तर प्रदेश।

(मोनिका रानी)
महानिदेशक, स्कूल शिक्षा
उत्तर प्रदेश।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय

समग्र शिक्षा, विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ -226007

वेब-साइट: www.basiceducation.up.gov.in, ई-मेल: upefaspo@gmail.com दूरभाष: 0522-4024440, 2780384, 2781128

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

निपुण भारत

सेवा में,

1- प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,
समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।

2- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।

पत्रांक- गुण0वि0/शिक्षक संकुल/ 6456 /2025-26 दिनांक 03 दिसम्बर, 2025

विषयः माह दिसम्बर, 2025 में आयोजित की जाने वाली शिक्षक संकुल की बैठक के संबंध में।

महोदय/महोदया,

आप अवगत हैं कि शासनादेश संख्या-123/68-5-2020 दिनांक 17 मार्च, 2020 एवं शासनादेश संख्या- 566/68-5-2020 दिनांक 23 जून, 2020 द्वारा जनपदों में न्याय पंचायत स्तर पर शिक्षक संकुल गठन के निर्देश दिये गये हैं। उत्कृष्ट तथा नवाचारी शैक्षिक प्रथाओं को साझा किये जाने, निपुण लक्ष्य की समयबद्ध प्राप्ति हेतु विचार-विमर्श करने एवं आगामी रणनीति विकसित किये जाने के दृष्टिगत अकादमिक बिन्दुओं पर प्रत्येक माह एजेण्डा आधारित शिक्षक संकुल बैठकों के आयोजन के संबंध में सुसंगत निर्देश प्रेषित किये गये हैं। तत्कम में **माह दिसम्बर, 2025** में शिक्षक संकुल बैठकों का आयोजन निम्नांकित निर्देशों के अनुसार किया जाये :-

1. **दिनांक 16 दिसम्बर, 2025 को अपराह्न 2:30 से 4:00 बजे** के मध्य संलग्न एजेण्डा बिन्दुओं के अनुसार शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन किया जाये। एजेण्डा आधारित शिक्षक संकुल बैठकें प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के लिये पृथक-पृथक आयोजित की जायेंगी। तत्संबंधी माह नवम्बर, 2025 की शिक्षक संकुल बैठक का **सुझावात्मक एजेण्डा संलग्न** है।
2. बैठक से पूर्व शिक्षक संकुल द्वारा एजेण्डा बिन्दुओं का परस्पर विभाजन कर आवश्यक तैयारी की जाये, जिससे कि सत्रों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सके।
3. संदर्शिका, प्रिंटरिच सामग्री, किट्स एवं तालिका आदि शैक्षणिक सामग्री का कक्षा-शिक्षण में प्रयोग करने के लिये शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाये।
4. प्राचार्य, डायट, मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक (प्रशिक्षण), डायट मेण्टर, एस0आर0जी0 एवं ए0आर0पी0 द्वारा **अनिवार्य रूप से** एक शिक्षक संकुल की बैठक में प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाये तथा वर्तमान शैक्षिक सत्र में निपुण लक्ष्य की प्राप्ति हेतु शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाये।
5. संकुल बैठक सम्पन्न होने के उपरान्त समस्त शिक्षक संकुल द्वारा प्रेरणा ऐप पर दिये गये डी0सी0एफ0 पर बैठक आयोजन सम्बन्धी सूचना अवश्य भरी जाये।

उपर्युक्तानुसार निर्देशित किया जाता है कि अपने जनपद के समस्त शिक्षक संकुल को प्रभावी प्रदर्शन करने एवं **संलग्न एजेण्डा** के अनुसार प्रभावी बैठकें आयोजित किये जाने हेतु अपने स्तर से निर्देशित करना सुनिश्चित करें तथा अपने स्तर से इसका अनुश्रवण भी करने का कष्ट करें।

संलग्नक–उक्तवत्।

भवदीय,

(राजेन्द्र प्रसाद)
अपर परियोजना निदेशक

पृ0सं0– गुण0वि0/शिक्षक संकुल/ 6456 **/2025–26 तद्दिनांक।**

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. जिलाधिकारी समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
2. मुख्य विकास अधिकारी, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
3. शिक्षा निदेशक (बेसिक) उ0प्र0, लखनऊ।
4. निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ।
5. सचिव, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद्, प्रयागराज।
6. मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), समस्त मण्डल, उत्तर प्रदेश।
7. खण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त जनपद उत्तर प्रदेश।
8. जिला समन्वयक (प्रशिक्षण), समस्त जनपद उत्तर प्रदेश।

(राजेन्द्र प्रसाद)
अपर परियोजना निदेशक

प्रेषक,

शिक्षा निदेशक(बेसिक),
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।

पत्रांकः शि0नि0(बे0)/नियोजन/ 50454-626 /2025-26 दिनांकः 28 नवम्बर, 2025

विषयः- **उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित परिषदीय/मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025-26 में अर्द्धवार्षिक परीक्षा एवं मूल्यांकन के सम्बन्ध में।**

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक निदेशालय के पत्रांक-शि0नि0(बे0)/नियोजन/49630-802/2025-26, दिनांक 26-11-2025 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित कक्षा 1 से 8 तक परिषदीय/मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025-26 की अर्द्धवार्षिक परीक्षा दिनांक 10-12-2025 से 15-12-2025 तक कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

उक्त के संबंध में अवगत कराना है कि दिनांक 13-12-2025 को आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा-2026 के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त दिनांक 13-12-2025 को आयोजित होने वाली कक्षा-05 की प्रथम पाली में गणित एवं द्वितीय पाली में कला/संगीत विषय की परीक्षा तिथि परिवर्तित करते हुए **दिनांक 16-12-2025 को प्रथम पाली में गणित एवं द्वितीय पाली में कला/संगीत विषय** की परीक्षा आयोजित कराये जाने का निर्णय लिया गया है।

शेष परीक्षा कार्यक्रम एवं निर्देश यथावत् रहेंगे।

भवदीय,

(प्रताप सिंह बघेल)
शिक्षा निदेशक(बेसिक)
उत्तर प्रदेश।

पृ0सं0: शि0नि0(बे0)/नियोजन/ 50454-626 /2025-26 तद्दिनांक।

उक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0 शासन के संज्ञानार्थ।
2. अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, चतुर्थ तल, विकास भवन, जनपथ हजरतगंज, लखनऊ।
3. महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
4. सचिव, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज।
5. प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
6. समस्त मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), उत्तर प्रदेश।

(प्रताप सिंह बघेल)
शिक्षा निदेशक(बेसिक)
उत्तर प्रदेश।

शिक्षक संकुल बैठक का एजेंडा – दिसंबर 2025 (प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु)				
सत्र	शीर्षक	विषय-वस्तु	समय	सुगमकर्ता
1.	सीख की विषय-वस्तु	गतिविधि: मनन और प्रेरणा - मेरी 'असफल सफलता' का पाठ (Learning from Failure) प्रक्रिया: 1. शिक्षक 3-4 सदस्यों के समूह में बैठेंगे। 2. 5 मिनट में उस असाधारण शैक्षणिक अनुभव का एक संक्षिप्त चित्र या रूपरेखा तैयार करेंगे, जहाँ किसी प्रयास में असफलता मिली, लेकिन उस अनुभव ने सबसे मूल्यवान सीख दी। 3. समूह से 2-3 शिक्षक स्वेच्छा से 1 मिनट में अपना सार प्रस्तुत करेंगे, यह बताते हुए कि उस 'असफलता' ने उनके शिक्षण को कैसे रूपांतरित किया। यह गतिविधि 'मेरा प्रेरक क्षण' sharing की भावना पर आधारित होगी। इसी गतिविधि को "मेरा प्रेरक क्षण" sharing के रूप में भी किया जा सकता है। शिक्षक 3-4 सदस्यीय समूह बनाकर 1 मिनट का छोटा अनुभव sharing कर सकते हैं, जो उनके विद्यालय या शिक्षण की वास्तविक एवं सकारात्मक घटना पर आधारित हो।	10 मिनट	शिक्षक संकुल
2.	हमारे प्रयास (शेयरिंग)	सभी शिक्षक 3-4 के विषय-समूहों में व्यवस्थित हो जायें। प्रत्येक समूह अपने विषय की एक जटिल अवधारणा जो विगत 6 माह में छात्रों के लिए सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण रही हो और निम्नलिखित बिन्दुओं पर अपने अनुभव लिखकर अपने समूह में चर्चा करें :– 1. चुनौतियाँ ऐसी होनी चाहिए जो कक्षा में बच्चों की प्रगति में बाधा डाल रही हों (जैसे: ध्वनि पहचान में समस्या या लर्निंग आउटकम्स में अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता)। 2. जटिल अवधारणाओं का समाधान एवं विषय आधारित सह-शिक्षण - समूह 10 मिनट में सर्वोत्तम, सरल विधि पर चर्चा, विचार विमर्श करेंगे कि इस जटिल अवधारणा को कक्षा में कैसे पढ़ाया जाए ताकि लर्निंग Gaps भी दूर किए जा सकें। समूह अपनी शिक्षण विधि का प्रदर्शन भी करेंगे। 3. समूह में चर्चा की जाये कि इस चुनौती पर सबसे प्रभावी, शून्य अथवा न्यूनतम लागत/व्यय और नवीन/अभिनव गतिविधि से समाधान क्या रहा। समूह चर्चा के माध्यम से चुनौतियों का व्यवहारिक समाधान खोजना है। इसके बाद समूह के एक सदस्य द्वारा 1 मिनट में प्रमुख निष्कर्ष सभी के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा तथा सभी सदस्यों से सुझाव प्राप्त किए जायें। उद्देश्य: प्रत्येक शिक्षक द्वारा समूह में अपनी बात रखने से प्रत्येक समूह में उस विषय पर विचार मंथन होगा और प्राप्त निष्कर्षों को बड़े समूह के सामने विमर्श हेतु रखा जा सकेगा। यह 'समूह-चर्चा' इस माह की बैठक के मुख्य अवयवों में से एक है। इस माह भी बैठक से पूर्व प्रधानाध्यापक की अध्यक्षता में विद्यालय स्तर पर शिक्षकों की बैठक आयोजित कर शेयरिंग के मुख्य बिंदु निर्धारित किए जाएं, ताकि बैठक में साझा प्रस्तुतीकरण और सहभागिता सुनिश्चित हो सके।	15 मिनट	शिक्षक संकुल द्वारा शेयरिंग – प्रत्येक समूह से एक शिक्षक

3.	अभिनव गतिविधि: योग्यता आधारित प्रश्न बैंक का निर्माण (Competency Based Question Bank)	शिक्षक उपर्युक्त विषय-समूहों में बने रहेंगे। इस सत्र में शिक्षक समूह उपर्युक्त जटिल अवधारणा पर आधारित कम से कम 3 योग्यता आधारित प्रश्न (Competency Based Questions) तैयार करेंगे। योग्यता आधारित प्रश्न वह होंगें जो केवल रटने (Rote Learning) के बजाय विश्लेषणात्मक कौशल (analytical skills) का आकलन करते हैं।	25 मिनट	शिक्षक संकुल
4.	प्रगति का मानवीय मूल्यांकन	सभी शिक्षक कक्षावार 3 समूहों (कक्षा 1 एवं 2 एक साथ, कक्षा 3 एवं 4 एक साथ तथा कक्षा 5 एक समूह) में व्यवस्थित हो जायेंगे। इस प्रक्रिया में समूह:- 'प्रगति कार्ड के परे' (Beyond the Progress Card) पर विचार करेंगे कि NIPUN App डेटा या उनके व्यक्तिगत आकलन के आधार पर, छात्र के सीखने की प्रगति का मूल्यांकन कैसे किया जाए जो केवल संख्या तक सीमित न हो। समूह चर्चा करेंगे कि: 1. व्यक्तिगत सुधार पर फीडबैक: छात्र-छात्राओं के सीखने के किस 'गैप' को भरने के लिए किस प्रकार का रचनात्मक और सकारात्मक फीडबैक देना सबसे प्रभावी रहा है। 2. 'उत्कृष्टता की कहानी': आकलन के तरीकों (गतिविधि, TLM, अवलोकन) का उपयोग करके प्रत्येक बच्चे की प्रगति की कहानी कैसे बनाई जाए, जिससे अभिभावक (अभिभावक संपर्क एवं जागरूकता) बच्चे की वास्तविक उपलब्धि को समझ सकें। नोट: 'शिक्षक-समूह' अपने विषयवार पाठ्यक्रम में दिए गए *लर्निंग आउटकम्स* का विश्लेषण कर यह साझा करेंगे कि कौन-सी गतिविधियाँ, शिक्षण-सामग्री (TLM) एवं आकलन के तरीके अधिक कारगर रहे। यदि किसी शिक्षक द्वारा कोई विशिष्ट ऑनलाइन या ऑफलाइन शिक्षण संसाधन खोजा गया है, तो समूह के साथ साझा किया जाये।	10 मिनट	सभी शिक्षक
5.	TLM निर्माण तथा प्रशिक्षण फीडबैक	विगत माह किए गए कार्य को आगे बढ़ाते हुए TLM ग्रांट के उपयोग और उत्कृष्ट TLM की सूची संकलित की जाएगी। प्रशिक्षण फीडबैक (ADD/DELETE/STREAMLINE) तथा स्वच्छ-हरित विद्यालय पहल के तहत किए गए विशिष्ट प्रयासों पर चर्चा होगी।	10 मिनट	सभी शिक्षक
6.	Teacher App अनुभव और उपयोग	सभी शिक्षक कक्षावार उपरोक्त 3 समूहों (कक्षा 1 एवं 2 एक साथ, कक्षा 3 एवं 4 एक साथ तथा कक्षा 5 एक समूह) में व्यवस्थित रहेंगे। इस प्रक्रिया में समूह में:- संदर्भदाता द्वारा "The Teacher App" पर उपलब्ध शिक्षण सामग्री हेतु अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा के पत्र दिनांक 21 नवंबर, 2025 (छाया प्रति संलग्न) का वाचन किया जाएगा। तदुपरांत निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की जाये:- 1. शिक्षक बारी-बारी से बताएंगे कि उन्होंने "The Teacher App" का उपयोग कैसे किया है और उनके शुरुआती अनुभव क्या रहे हैं। 2. क्या आपने अपनी सुविधा के अनुसार स्व-अध्ययन (Self-Study) किया। 3. क्या आपको विषय-विशिष्ट और व्यवहारिक मॉड्यूल, वीडियो पाठ्यक्रम, वेबिनार, पॉडकास्ट, या प्रश्नोत्तरी उपयोगी लगी। 4. क्या 'टीचर्स लाउंज' विचारों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है?	15 मिनट	शिक्षक – जिन्होंने आज कोई सत्र का नेतृत्व न किया हो

M.

		यह आपको कैसे समर्थन दे रहा है? 5. क्या माइक्रो-लर्निंग फॉर्मेट (छोटे-छोटे मॉड्यूल्स) सीखने में सहायक रहे हैं? 6. क्या 'इम्पैक्ट स्टोरीज' (Impact Stories) ने आपको प्रेरित किया है। 7. क्या सामग्री वास्तविक कक्षा परिस्थितियों से संबंधित थी? 8. क्या लीडरबोर्ड (Leaderboards) और स्कोर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करते हैं? शिक्षक अपनी आवश्यकताओं और विज़ुअलाइज़ेशन के आधार पर ऐप को और अधिक व्यापक और प्रभावी बनाने के लिए सुझाव देंगे।		
7.	समेकन एवं धन्यवाद	महत्वपूर्ण बिंदुओं की पुनरावृत्ति	5 मिनट	शिक्षक संकुल द्वारा

(आनन्द कुमार पाण्डेय)
वरिष्ठ विशेषज्ञ गुणवत्ता शिक्षा

<table>
<tr><th colspan="5">शिक्षक संकुल बैठक का एजेंडा – दिसंबर 2025 (उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु)</th></tr>
<tr><th>सत्र</th><th>शीर्षक</th><th>विषय-वस्तु</th><th>समय</th><th>सुगमकर्ता</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>मनोरंजक गतिविधि</td><td>गतिविधि: आप क्या चुनेंगे और क्यों?

प्रक्रिया
• दो समूह में प्रश्नों के माध्यम से यह गतिविधि की जाएगी। प्रत्येक प्रश्न के दो विकल्प होंगे, आप सभी को सामूहिक रूप से किसी एक विकल्प का चयन करना होगा और चयन का कारण भी बताना होगा।
• 2-3 शिक्षकों से इस प्रश्न पर प्रतिक्रिया लें। किसी भी प्रतिक्रिया को गलत या सही न ठहराएँ। सुगमकर्ता बताएँ कि प्रत्येक व्यक्ति की पसंद अलग होना बिल्कुल स्वाभाविक है। यही विविधता हमारी कक्षाओं को और अधिक रचनात्मक, जीवंत और सीखने योग्य बनाती है।
• इसके बाद सुगमकर्ता एक-एक करके अन्य प्रश्न पूछते जाएँ और प्रत्येक प्रश्न पर 2-3 शिक्षको से कारण भी पूछें।
• सुगमकर्ता प्रश्न पूछें (उदाहरण) - प्रश्न:
  ◦ आप 5 छात्रों की कक्षा में पढ़ाना पसंद करेंगे या 30 छात्रों की कक्षा में? और क्यों?
  ◦ क्या आप बोर्ड पर लिखकर सिखाना पसंद करेंगे या प्रोजेक्टर से और क्यों?
  ◦ क्या आप कक्षा में खेल के माध्यम से सिखाना पसंद करेंगे या कार्यपत्रक के द्वारा और क्यों?

अंत में आप सभी प्रतिभागियों से कहें कि ऐसी गतिविधियाँ आप कक्षा के बच्चों के साथ भी करवा सकते हैं। इस तरह की गतिविधियाँ बच्चों में तर्क करने, विचार करने, तुलना करने, निर्णय लेने, सहमत या असहमत होने की क्षमता को स्वाभाविक रूप से विकसित करती हैं और उन्हें सीखने में अधिक सक्रिय बनाती हैं।</td><td>10 मिनट</td><td>शिक्षक संकुल</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>हमारे प्रयास (शेयरिंग)</td><td>सभी शिक्षक 3-4 के विषय-समूहों में व्यवस्थित हो जायें। प्रत्येक समूह अपने विषय की एक जटिल अवधारणा जो विगत 6 माह में छात्रों के लिए सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण रही हो और निम्नलिखित बिन्दुओं पर अपने अनुभव लिखकर अपने समूह में चर्चा करें :–

1. चुनौतियाँ ऐसी होनी चाहिए जो कक्षा में बच्चों की प्रगति में बाधा डाल रही हों (जैसे: ध्वनि पहचान में समस्या या लर्निंग आउटकम्स में अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता)।
2. जटिल अवधारणाओं का समाधान एवं विषय आधारित सह-शिक्षण - समूह 10 मिनट में सर्वोत्तम, सरल विधि पर चर्चा, विचार विमर्श करेंगे कि इस जटिल अवधारणा को कक्षा में कैसे पढ़ाया जाए ताकि लर्निंग Gaps भी दूर किए जा सकें। समूह अपनी शिक्षण विधि का प्रदर्शन भी करेंगें।
3. समूह में चर्चा की जाये कि इस चुनौती पर सबसे प्रभावी, शून्य अथवा न्यूनतम लागत/व्यय और नवीन/अभिनव गतिविधि से समाधान क्या रहा। समूह चर्चा के माध्यम से चुनौतियों का व्यवहारिक समाधान खोजना है। इसके बाद समूह के एक सदस्य द्वारा 1 मिनट में प्रमुख निष्कर्ष सभी के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा तथा सभी सदस्यों से सुझाव प्राप्त किए जायें।

उद्देश्य: प्रत्येक शिक्षक द्वारा समूह में अपनी बात रखने से प्रत्येक समूह में उस</td><td>15 मिनट</td><td>शिक्षक संकुल द्वारा शेयरिंग – प्रत्येक समूह से एक शिक्षक</td></tr>
</table>

		विषय पर विचार मंथन होगा और प्राप्त निष्कर्षों को बड़े समूह के सामने विमर्श हेतु रखा जा सकेगा। यह 'समूह-चर्चा' इस माह की बैठक के मुख्य अवयवों में से एक है। इस माह भी बैठक से पूर्व प्रधानाध्यापक की अध्यक्षता में विद्यालय स्तर पर शिक्षकों की बैठक आयोजित कर शेयरिंग के मुख्य बिंदु निर्धारित किए जाएं, ताकि बैठक में साझा प्रस्तुतीकरण और सहभागिता सुनिश्चित हो सके।		
3.	अभिनव गतिविधि: योग्यता आधारित प्रश्न बैंक का निर्माण (Competency Based Question Bank)	शिक्षक समूहों में बने रहेंगे। इस सत्र में शिक्षक समूह उपर्युक्त जटिल अवधारणा पर आधारित कम से कम 3 योग्यता आधारित प्रश्न (Competency Based Questions) तैयार करेंगे। योग्यता आधारित प्रश्न वह होंगें जो केवल रटने (Rote Learning) के बजाय विश्लेषणात्मक कौशल (analytical skills) का आकलन करते हैं। समूह यह भी चर्चा करेंगे कि Smart Class और ICT Lab का उपयोग इन प्रश्नों के उत्तर के लिए छात्रों के डेटा विश्लेषण को समझने और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि करने हेतु कैसे किया जाए। अंत में, समूह अपने बनाए गए प्रश्नों और उनके आकलन के तरीके का सार प्रस्तुत करेंगे।	20 मिनट	शिक्षक संकुल
4.	STEM और डिजाइन सोच (Ask–Imagine–Plan–Create–Improve) को समझना	गतिविधि: STEM-डिजाइन सोच की समझ विकसित करना उद्देश्य: STEM की मूल अवधारणा को समझना तथा Design Thinking (Ask–Imagine-Plan-Create-Improve) के पाँच चरणों के माध्यम से समस्या समाधान की प्रक्रिया को अनुभव कराना। प्रक्रिया 1. सुगमकर्ता STEM पर चर्चा करें और बोर्ड पर लिखें: STEM = Science + Technology + Engineering + Mathematics 2. इसके बाद शिक्षकों से प्रश्न पूछें— i. आप STEM को कैसे समझते हैं? ii. क्या आपने बच्चों के साथ कोई STEM आधारित गतिविधि की है? 3. इसके बाद सुगमकर्ता प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं के मुख्य बिंदु बोर्ड पर लिखें और समझाएँ कि - STEM विषय अलग-अलग नहीं, बल्कि एक साथ जुड़कर सीखने का तरीका है। यह बच्चों में जिज्ञासा, रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग को बढ़ावा देता है। डिजाइन थिंकिंग के पाँच चरण: सुगमकर्ता Design Thinking की प्रक्रिया को उदाहरण सहित समझाएँ- 1. Ask (समस्या समझना): हमें क्या बनाना है? क्यों? 2. Imagine (कल्पना): संभावित तरीके क्या हो सकते हैं ? 3. Plan (योजना): किस सामग्री से, किस प्रक्रिया से बनाएँगे ? 4. Create (निर्माण): मॉडल/संरचना बनाना। 5. Improve (सुधार): जो कमी/कमजोरी है, उसे बेहतर बनाना। 4. उप-समूहों में पुल बनाना: सामग्री: स्ट्रॉ / A4 पेपर, टेप, 3–4 सिक्के • प्रतिभागियों को 3-4 के उप-समूहों में बाँटें और उन्हें बताएं कि 10 मिनट में एक ऐसा पुल बनाना है जिसमें 3-4 सिक्के का भार उठा सके। • सबसे पहले समूह अपने विचारों के आधार पर एक सरल स्केच पेपर पर	25 मिनट	शिक्षक संकुल

		बनाएँ, फिर स्ट्रॉ/पेपर का उपयोग करके पुल निर्माण शुरू करें। इस दौरान चारों ओर घूमकर मार्गदर्शन करें, उत्साहवर्धन करें। 5. परीक्षण (Testing): सभी समूह अपने पुल पर क्रम से भार रखें- पहले 1 सिक्का, फिर 2 सिक्के और फिर 3–4 सिक्के रखें। देखें कि कौन-सा पुल कितना भार सह पाता है। 6. चिंतन व चर्चा (Reflection): सुगमकर्ता निम्न प्रश्न पूछे- i. कौन-सी डिजाइन सबसे मजबूत रही? क्यों? ii. जिन पुलों में कमजोरी आई, उसके क्या कारण थे? iii. यदि दोबारा मौका मिले, तो आप क्या सुधार करेंगे? सभी उत्तरों का सम्मान करें और यह साझा करें- • STEM गतिविधियों में कोई एक सही उत्तर नहीं होता। • बच्चे जब *करके सीखते हैं*, तो उनकी समझ गहरी और स्थायी बनती है। • यह तरीका उन्हें भविष्य की वास्तविक समस्याओं को हल करने के लिए तैयार करता है (PBL – Problem Based Learning). • सभी के जवाबों का सम्मान करें और बताएं- बच्चों को *करके सीखने* से गहरी समझ मिलती है साथ ही STEM गतिविधि में कोई एक सही उत्तर नहीं है।समस्या आधारित सीखना (PBL) बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करता है। 7. कक्षा में लागू करने की योजना: अब सभी शिक्षकों से पूछें- अगले 7 दिनों में आप अपने स्कूल में कौन-सी STEM गतिविधि कर सकते हैं? (पानी फिल्टर बनाना, सरल विद्युत परिपथ, सूरज घड़ी मॉडल, बल-घर्षण पर मिनी प्रयोग)		
5.	Teacher App अनुभव और उपयोग	सभी शिक्षक कक्षावार उपरोक्त 3 समूहों (कक्षा 1 एवं 2 एक साथ, कक्षा 3 एवं 4 एक साथ तथा कक्षा 5 एक समूह) में व्यवस्थित रहेंगे। इस प्रक्रिया में समूह में:- संदर्भदाता द्वारा "The Teacher App" पर उपलब्ध शिक्षण सामग्री हेतु अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा के पत्र दिनांक 21 नवंबर, 2025 (छाया प्रति संलग्न) का वाचन किया जाएगा। तदुपरांत निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की जाये:- 1. शिक्षक बारी-बारी से बताएंगे कि उन्होंने "The Teacher App" का उपयोग कैसे किया है और उनके शुरुआती अनुभव क्या रहे हैं। 2. क्या आपने अपनी सुविधा के अनुसार स्व-अध्ययन (Self-Study) किया। 3. क्या आपको विषय-विशिष्ट और व्यवहारिक मॉड्यूल, वीडियो पाठ्यक्रम, वेबिनार, पॉडकास्ट, या प्रश्नोत्तरी उपयोगी लगी। 4. क्या 'टीचर्स लाउंज' विचारों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है? यह आपको कैसे समर्थन दे रहा है? 5. क्या माइक्रो-लर्निंग फॉर्मेट (छोटे-छोटे मॉड्यूल्स) सीखने में सहायक रहे हैं? 6. क्या 'इम्पैक्ट स्टोरीज' (Impact Stories) ने आपको प्रेरित किया है। 7. क्या सामग्री वास्तविक कक्षा परिस्थितियों से संबंधित थी? 8. क्या लीडरबोर्ड (Leaderboards) और स्कोर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करते हैं? शिक्षक अपनी आवश्यकताओं और विज़ुअलाइजेशन के आधार पर ऐप को और अधिक व्यापक और प्रभावी बनाने के लिए सुझाव देंगे।	15 मिनट	शिक्षक – जिन्होंने आज कोई सत्र का नेतृत्व न किया हो

6.	समेकन एवं धन्यवाद	महत्वपूर्ण बिंदुओं की पुनरावृत्ति	5 मिनट	शिक्षक संकुल द्वारा

(आनन्द कुमार पाण्डेय)
वरिष्ठ विशेषज्ञ गुणवत्ता शिक्षा